बरेली, सोमवार
6 जुलाई, 2026
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 16+4=20

दैनिक जागरण

PAGE NO, IV, MIDDLE

प्रतियोगी परीक्षा और पेपर लीक का सच दिखाता 'धांधली'

जासं, बरेली: एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार शाम शिक्षा व्यवस्था, प्रतियोगी परीक्षाओं में बढ़ती अनियमितताओं और युवाओं के टूटते सपनों पर आधारित सशक्त नाटक ''धांधली'' का मंचन किया गया। नाटक की शुरुआत एक व्यंग्यात्मक राजनीतिक भाषण से होती है, जहां परीक्षा व्यवस्था में व्याप्त विसंगतियों पर तीखा कटाक्ष किया गया है। ये नेता जी परीक्षा पर चर्चा पर में विद्यार्थियों को भाषण में कहते है कि परीक्षा चक्र देश की आर्थिक व्यवस्था को आगे बढ़ाता है।

इस लिए परीक्षा होना और दोबारा परीक्षा का होना देश की अर्थ व्यवस्था के लिए उचित है। इसके बाद तीन दोस्त माधव, मोहन और रवीना एक चाय की दुकान पर नीट पेपर की तैयारी की बात करते है। तभी कोचिंग के शान सर आते है और उनकी तैयारी के कहते तुम लोग कुछ एक्स्ट्रा क्लास करो, जिसकी फीस अलग से देनी होगी। दूसरी तरफ शान सर, बोझा सर और धांसू सर सिर्फ बच्चों के अभिभावक से रुपये कैसे बढ़ाएं।

एसआरएमएस रिद्धिमा में नाटक धांधली का मंचन करते कलाकार • सौजन्य रिद्धिमा

बाद में मेडिकल प्रवेश परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने के कारण परीक्षा रद्द हो जाती है, तब सबसे मेधावी छात्र माधव मानसिक रूप से टूट जाता है। व्यवस्था की विफलता और भविष्य की अनिश्चितता उसे इतना निराश कर देती है कि वह आत्महत्या जैसा दुखद कदम उठा लेता है। फिर टीवी डिबेट एक-दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप होते है, लेकिन परिणाम शून्य। नाटक में व्यवस्था पर व्यंग्य कसा गया है। नाटक डा. प्रभाकर गुप्ता की कथा पर आधारित, अश्वनी कुमार द्वारा नाट्य रूपांतरित और विनायक कुमार श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित है। नेता और भरोसे लाल का चरित्र विनायक कुमार श्रीवास्तव, पत्रकार अनमोल मिश्रा, मोहन विष्णु यादव, रवीना अदिति भारद्वाज, माधव गौरव कार्की, शान सर शिवम यादव, धांसू सर आशीष कश्यप, बोझा सर हिरदयांश, चायवाला और चपरासी प्रियांशु दुबे, राकेश मनोज शर्मा, ज्योति साक्षी, सूत्रधार और अभिभाविका सोनालिका सक्सेना, प्रोफेसर की भूमिका शिवम मौर्य ने निभाई।